

# विषय: जिज्ञासा – डिजिटल उपनिवेशवाद का भारतीय उत्तर और वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की ओर एक कदम

From

<contact@digitaldreamsit.in>

Bcc

Singhsaurabhkumar Satyaprakash <singhsaurabhkumar.satyaprakash@axisbank.com>, Jangraadvocate <jangraadvocate@gmail.com>, Info <info@gtuventures.com>, Presidentofindia <presidentofindia@rb.nic.in>, Narendramodi <narendramodi@narendramodi.in>, Narendramodi1234 <narendramodi1234@gmail.com>, Connect <connect@mygov.nic.in>, Js Kksingh <js.kksingh@meity.gov.in>, Grievancecgda Dad <grievancecgda.dad@gov.in>, Sobo3 Dfs <sobo3-dfs@nic.in>, [1 more...](#)

Date

2025-04-15 17:13

Priority

Highest

AFCAT 2\_AFSB\_CALLLETTER.pdf (~983 KB)

DRDO Letter.pdf (~401 KB)

Copy of Modern Neumorphism 3D Brainstorm Presentation.pdf (~10 MB)

Copy of Modern Neumorphism 3D Brainstorm Presentation (2).pptx (~11 MB)

आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी,

सादर प्रणाम।

मैं यह पत्र एक आम नागरिक के रूप में नहीं, बल्कि आपके आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने में समर्पित एक युवा सिपाही के रूप में लिख रहा हूँ।

आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने अंतरिक्ष, रक्षा, निर्माण, और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे हर क्षेत्र में ऐतिहासिक ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। इन्हीं प्रेरणाओं से प्रेरित होकर मैंने अपना सब कुछ—समय, धन, और समर्पण—एक ऐसे प्रोजेक्ट में लगाया है जो भारत को डिजिटल रूप से **आत्मनिर्भर** और आने वाले समय में **तकनीकी रूप से वैश्विक नेता** बना सकता है।

मैं आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ – **जिज्ञासा प्रोजेक्ट** – भारत का पहला **स्थानीय भाषाओं पर आधारित, प्राइवेट-फोकस्ड सर्च इंजन**, जिसे निम्नलिखित लक्ष्यों के साथ तैयार किया गया है:

- गूगल जैसी विदेशी कंपनियों की **डिजिटल एकाधिकार** को समाप्त करना,
- भारत के **70 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं** को उनकी **मातृभाषा में जानकारी** उपलब्ध कराना,
- हर नागरिक को **बिना ट्रेकिंग के सुरक्षित और गुमनाम सर्च अनुभव** देना,
- AI** आधारित, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और **स्थानीय जानकारी** देना,
- और **कम नेटवर्क वाले क्षेत्रों** में भी शानदार प्रदर्शन करना।

आदरणीय मोदी जी, आज के डिजिटल युग में सर्च इंजन केवल जानकारी नहीं, बल्कि **नियंत्रण** का माध्यम बन गया है। हर क्लिक, हर प्रश्न, हर जानकारी आज विदेशी सर्वरों पर जाती है। यह **डिजिटल उपनिवेशवाद** है, और यह हमारे **राष्ट्रीय डेटा की संप्रभुता** के लिए एक गंभीर खतरा है।

जिज्ञासा, भारत का उत्तर है।

यह सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन है, जो:

- भारत को **स्थानीय भाषा AI और प्राइवेट तकनीक** में विश्वगुरु बना सकता है,
- ISRO और UPI की तरह भारत को **तकनीकी नवाचार में वैश्विक पहचान** दिला सकता है,
- हजारों **स्थानीय व्यापारों** को डिजिटल मंच दे सकता है,
- और सबसे महत्वपूर्ण – **दुनिया को भारत से सर्च करवाएगा**, भारत के लिए नहीं, बल्कि **भारत के माध्यम से**।

माननीय प्रधानमंत्री जी, मैंने यह प्रोजेक्ट केवल लाभ के लिए नहीं, बल्कि **राष्ट्र सेवा** के उद्देश्य से बनाया है। मैंने इसमें अपने **जीवन की सारी जमा-पूँजी** लगा दी है। परंतु आज भारत में बहुत कम लोग हैं जो इस **तकनीकी बदलाव के महत्व** को समझना चाहते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस प्रोजेक्ट की **संवेदनशीलता, आवश्यकता और सामर्थ्य** को अवश्य समझेंगे।

आपके आशीर्वाद, मार्गदर्शन और समर्थन के साथ, मैं यह सपना देखता हूँ कि भारत अब डिजिटल दुनिया का उपभोक्ता नहीं, बल्कि **निर्माता और मार्गदर्शक** बने।

मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि मुझे आपके कार्यालय के समक्ष यह प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाए। यह भारत के इतिहास में एक **नए युग की शुरुआत** बन सकता है, जहाँ हम डिजिटल रूप से **निर्भर नहीं, बल्कि विश्व में अग्रणी** बनें।

जय हिन्द। जय भारत।

आपका देशभक्त,  
जितांशु त्रिवेदी  
संस्थापक – जिज्ञासा प्रोजेक्ट  
 +91 6355816866  
 contact@digitaldreamsit.in